लगी थी और मैं बाथरूम में मूतने चला गया। तभी शालिनी को पता लगा कि उसके कान के बूँदे निकल गये हैं और वोह पलंग के नीचे घुटने के बल अपने कान के बूँदे ढूँढने के लिए घुस गयी। मैं अभी मूत रहा था कि मुझे शालिनी की चींख सुनाई दी। मैं दौड़ कर कमरे में आया और देखा कि शालिनी का कमर से ऊपर का शरीर पलंग के अंदर है और बॉबी उसके पीछे से कमर के ऊपर चढ़ कर शालिनी की चूत अपने लंड से चोदने की कोशिश कर रहा है। यह देख कर मेरी हँसी छूट गयी और मैं हँसने लगा। तभी शालिनी बोली कि “हँसना बाद में पहले बॉबी को मेरे ऊपर से अलग करो”। मैं जब बॉबी को अलग करने गया तो बॉबी गुर्राने लगा। मैं पीछे हट गया और देखने लगा कि उसका लंड जो अब करीब ९" (लम्बा) और ४" (मोटा) हो चला था शालिनी की चूत के अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था। शालिनी ने चिल्ला कर पूछा कि “क्या देख रहे हो अब कुछ करो भी”। मैंने कहा, “रुको” और मैं दौड़ कर एक शीशा ले आया और शालिनी को बॉबी के मोटे लंड से उसकी चूत की चुदाई का नज़ारा दिखाया। शालिनी यह देख कर चौंक गयी और चिल्लाई कि, “बॉबी को मेरी चूत से हटाओ”। बॉबी अब तक शालिनी की चूत के अंदर अपना लंड डालने में सफ़ल हो गया था और उसकी चूत चोद-चोद कर उसका भुर्ता बना रहा था। अब तो शालिनी की नाईटी भी उसकी कमर तक उठ गयी थी और गोरे-गोरे चुत्तड़ और खूबसूरत गाँड साफ़-साफ़ दिख रही थी।

Hindi Fonts By:
SINSEX

मैंने शालिनी से कहा, “रुको मैं अभी एक डँडा लेकर आता हूँ और बॉबी को भगाता हूँ। बिना डँडे के बॉबी तुम्हारी चूत को नहीं छोड़ेगा”। मैं बाहर गया और बाहर जाकर मुझे एहसास हुआ कि शालिनी और बॉबी की चुदाई देख कर मेरा लंड भी खड़ा हो गया है। मैं बाहर जाकर डँडा ढूँढने लगा पर डँडा नहीं मिला तो मैं खिड़की से अंदर का नज़ारा देखने लगा। खिड़की पलंग के पास ही थी और मुझको अंदर का नज़ारा साफ़ साफ़ दिख रहा था। थोड़ी देर के बाद मैं कमरे में घुसा तो देखा कि शालिनी का पूरा मुँह लाल हो गया है और वो अपनी चूत की चुदाई से बहुत खुश लग रही है।

मैंने शालिनी से कहा कि, “बाहर कोई डँडा नहीं मिल रहा है”। शालिनी बोली कि, “कुत्ता मुझे खूब रगड़- रगड़ के चोद रहा है और मेरी चूत की चटनी बना रहा है”। मैंने शालिनी से पूछा, “क्या तुम्हारी चूत में दर्द हो रहा है”? तो वो बोली, “जैसे ही बॉबी का लंड मेरी चूत में पहली बार घुसा तो मेरी चूत ने पानी छोड़ दिया था और इस कारण अब मुझे मजा आ रहा है और चूत बहुत चुदासी हो गयी है और खूब पानी छोड़ रही है”। मैं उससे बोला कि, “बॉबी का लंड मेरे लंड से बहुत बड़ा है और तेरी चूत उससे चुदवाने से और फैल जायेगी और उसका लंड और अंदर तक चला जायेगा। बॉबी को जल्दी

हटाना पड़ेगा, क्योंकि अगर उसका लंड तेरी चूत में फूल कर फँस गया तो तू उसके लंड से फँसी रह जायेगी”। शालिनी बोली, “इसका क्या मतलब”?

मैं बोला कि, “मैंने सुना है कि कुत्ता जब कुत्तिया को चोदता है तब कुछ देर के बाद उसका लंड नीचे से फूल जाता है और वो कुत्तिया की चूत में फँस जाता है। क्यों तूने रास्ते में कुत्ता और कुत्तिया गाँड से गाँड मिला कर चिपके हुए नहीं देखे हैं”?

शालिनी बोली, “हाय जल्दी कुछ करो नहीं तो तुम्हरी वाइफ भी बॉबी की गाँड से गाँड मिला कर फँसी रह जायेगी और तुम अपना लंड थामे देखते रह जाओगे और मुठ मारोगे”। मैं फिर से बाहर गया और खिड़की से देखने लगा। मुझे हैरानी हुई यह देख कर कि शालिनी अब अपनी गाँड को पीछे को धकेल रही है और बड़ी मस्ती से बॉबी के लंड का धक्का अपनी चूत में बड़े आराम के लगवा रही है। धीरे–धीरे बॉबी ने अपना पूरा ९ इन्च लम्बा लंड शालिनी की चूत के अंदर पेल दिया। मुझे खिड़की से साफ़ साफ़ दिख रहा था कि शालिनी की चूत से सफ़ेद सफ़ेद पानी निकल कर जमीन पर टपक रहा था और उसकी गाँड का छेद खुल और बँद हो रहा था।

Hindi Fonts By:

मुझे अपनी और शालिनी की चुदाई के अनुभव से लग रहा था शालिनी की चूत फिर से पानी छोड़ रही है। थोड़ी देर के बाद बॉबी अपनी कमर को खूब जोर से हिलाने लगा और अपना ९ इन्च का लंड शालिनी की चूत के अंदर–बाहर बड़ी ज़ोरों से करने लगा। शालिनी के मुँह से सिसकरी निकल रही थी और वो अनाप शनाप बोले जा रही थी, जैसे कि, “हाय मेरी माँ, मेरी चूत फट गयी है... कोई आकर देखे एक कुत्ता कैसे मेरी चूत की चुदाई कर रहा है, हाय और जोर से चोदो, फाड़ दो मेरी चूत, हाय मेरी चूत की खाल निकाल दो। हाय अमित देखो कैसे एक कुत्ता तुम्हारे ही सामने तुम्हरी वाइफ को अपने मोटे लंड से चोद रहा है, हाय बड़ा मज़ा आ रहा है। हाय बॉबी और जोर से चोद मुझे, आज फाड़ दे मेरी चूत को, बुझा दे मेरी चूत की गरमी को”। बॉबी ने थोड़ी देर शालिनी की चूत को खूब जोर–जोर से चोदा और फिर झड़ कर सुस्त हो गया।

SINSEX

इतने समय तक शालिनी की चूत की चुदाई देखते–देखते मैं भी अपना लंड हाथ में थामे–थामे झड़ गया। मैं जल्दी से कमरे के अंदर भाग कर गया तो देखा कि शालिनी की चूत अब बहुत फैल चुकी है और उसमें से बॉबी के लंड की झड़न निकल रही है। शालिनी बॉबी की चुदाई से थक गयी थी और

हाँफ़ रही थी। मैं उसके पास गया और बोला कि, “मैं अब बॉबी को लात मार कर भगा देता हूँ”। शालिनी बोली, “नहीं अभी वो भी सुस्त हो गया है और थोड़ी देर के बाद जब उसका लंड मेरी चूत से छुटेगा तो वो अपने आप ही चला जायेगा”। करीब दस मिनट के बाद बॉबी का लंड मुरझा गया। शालिनी की चूत का छेद अब काफ़ी बड़ा हो गया था और काफ़ी सुज सा गया था। उसकी चूत से अब भी बॉबी का माल बूँद–बूँद कर के निकल रहा था। मैंने धीरे से शालिनी को पकड़ कर खड़ा किया। शालिनी मुझे शरमाई आँखों से देखने लगी और शरमा के बोली, “आज तक मेरी चूत इस कदर कभी नहीं चुदी, बॉबी के लंड से मेरी चूत बिल्कुल भर सी गयी थी। बॉबी के लंड ने मेरी चूत की खूब चुदई करी और मैं पाँच बार झड़ी”। उसके बाद शालिनी अपनी नाईटी और सैण्डल उतार कर बाथरूम में गयी और अच्छी तरह से रगड़–रगड़ कर नहाई। शालीनी बाहर आकर नंगी ही बिस्तर पे बैठ गयी और मुझसे बोली, “आओ अमित अब तुम मुझे चोदो, मेरी चूत तुम्हारा लंड खाने के लिए प्यासी है, आओ जल्दी से अपना मोटा लंड मेरी चूत में पेल दो और जोर–जोर से धक्के मार–मार कर खूब अच्छी तरह से चोदो”। इतना बोल कर शालिनी मेरे हाथों को अपनी चूची पर ले गयी और मेरा खड़ा लंड अपने मुँह में ले कर जोर–जोर से चूसने लगी। मैंने अपनी एक उँगली शालिनी की चूत के अंदर पेल दी और अंदर–बाहर करने लगा।

Hindi Fonts By: SINSEX

शालिनी बोली, “क्यों टाइम बर्बाद कर रहे हो, जल्दी से उँगली हटा कर अपना लंड मेरी चूत में पेलो”। मैंने भी उठ कर अपने लंड का सुपाड़ा शालिनी की चूत के छेद पर लगाया और एक ज़ोरदार धक्का मार कर पूरा का पूरा लंड एक झटके के साथ शालिनी की चूत में घुसेड़ दिया। शालिनी की चूत थोड़ी देर पहले बॉबी के ९ इन्च लम्बा और ४ इन्च मोटा लंड खा चुकी थी और इसी लिए उसकी चूत अब तक फैली हुई थी जिससे कि मुझे शालिनी को चोदने में मज़ा नहीं आ रहा था। फिर भी मैंने शालिनी की चूत को चोदा और उसकी चूत को अपनी झड़न से भर दिया और फिर मैं और शालिनी सो गये।

अगले दिन सनडे था और सुबह बॉबी हमारे कमरे के अंदर आया तो शालिनी ने प्यार से उसके सर पर हाथ फिराया और मुझे आँख मरती हुई धीरे से बोली, “आज क्या करना है”। हम दोनों ने नाश्ता किया और झील में नहाने के लिए तैयार हो रहे थे। हम लोग जब कपड़े बदल रहे थे तो शालिनी ने कहा, “देखो, यह क्या है”? मैं झुक कर शालिनी की बॉबी के लंड से चुदी चूत की तरफ़ देखने लगा। मैंने देखा कि शालिनी की चूत से अब भी बॉबी के लंड की झड़न रिस–रिस कर निका रही है। शालिनी ने धीरे से अपनी चूत को पोंछ डाला और बोली कि, “मैंने कल रात करीब चार–पाँच बार उठ कर अपनी

चूत को साफ़ किया है। बॉबी ने कल रात की एक चुदई से अपने लौड़े का माल तुम्हारे माल से करीब तीन–चार गुना ज्यादा मेरी चूत में डाला है और वो अभी तक निकल रहा है”।

हम लोग सुबह–सुबह झील के किनारे गये और एक दरी बिछा के उसपे लेट गये। बॉबी हमारे बीच घूम फिर रहा था और बार बार शालिनी की तरफ़ घूर रहा था। शालिनी बॉबी के सिर पर हाथ फिरा कर बोली, “हाय, तूने कल बहुत मज़ा दिया”। बॉबी ने जल्दी से अपने नथुने शालिनी की चूत पर रख दिये लेकिन शालिनी ने अपने चुत्तड़ हिला कर अपनी चूत बॉबी के नथुने से अलग कर दी। शालिनी ने अपने सारे कपड़े उतार दिये थे लेकिन अपनी चड्डी पहन रखी थी और मैंने सिर्फ़ एक जाँघिया पहन रखा था। मैं शालिनी से बोला, “क्यों ना हम अपने सारे कपड़े उतार दें क्योंकि यह सुनसान प्राइवेट–सी जगह है और आस पास कभी कोई आता–जाता भी नहीं है”। कल बॉबी से चुदाई के बाद मुझे शालिनी का रीएक्शन देखना था। शालिनी मेरा कहना मान गयी और पूरी तरह नंगी हो गयी। शालिनी को नंगी देख कर बॉबी के कान खड़े हो गये और वो शालिनी की चूत की तरफ़ देखने लगा। मैंने शालिनी से पूछा, “क्या बॉबी को भगा दिया जाये?” तो शालिनी बोली, “नहीं कल रात बॉबी ने मुझे ना तो काटा और ना ही कोई नुकसान पहूँचाया, बस मेरी चूत को जम कर चोदा”।

Hindi Fonts By: SINSEX

मैं मज़ाक में शालिनी से बोला, “काश मेरा भी लंड बॉबी के जैसा मोटा और लम्बा होता”।

शालिनी बोली, “नहीं तुम्हारा लंड बहुत बड़ा है लेकिन कुत्ते का लंड तो कुत्ते का ही है”।

मैं शालिनी से बोला, “शायद तुम पहली या आखरी औरत नहीं हो जिसकी चूत कुत्ते के लंड से चुदी हो”।

शालिनी बोली, “मैं मैगज़ीन और किताबों में पढ़ चुकी हूँ कि औरतें कुत्ते से चुदवाना पसंद करती हैं”।

मुझे शालिनी की बात सुन कर बहुत ताजुब हुआ और सोचने लगा कि शालिनी ऐसा क्यों कह रही है। हम लोग लेटे हुए बात कर रहे थे। बॉबी बार बार शालिनी के पास आ रहा था और अपना नथुना शालिनी की चूत के पास ला रहा था, लेकिन शालिनी बार बार उसको हटा रही थी। बॉबी का लंड अब खड़ा होने लगा था और वो फूल कर लटक रहा था। बॉबी का मोटा खड़ा लंड देख कर शालिनी अपने

होंठ चाट रही थी। अब तक धूप काफ़ी निकल आयी थी और मुझको गरमी लग रही थी। इसलिए मैं शालिनी से बोला कि, “मैं घर के अंदर जाता हूँ, क्या तुम भी आना चाहती हो?”

शालिनी बोली, “नहीं मैं बाहर ही रहूँगी।”

मैंने फिर पूछा, “क्या मैं बॉबी के लेकर जाऊँ?”

तो शालिनी बोली, “नहीं रहने दो। इसको बाहर ही रहने दो।” मैं एक पेड़ के पीछे जाकर छाँव में बैठ गया और सोने की तैयारी करने लगा। शालिनी मुझको मुड़-मुड़ कर देख रही थी। मैं समझ गया वो मुझको सोते देखना चाहती है। इसलिए मैं आँख बँद करके सो गया। करीब पाँच मिनट के बाद उसने मेरा नाम पुकारा लेकिन मैं चुप रहा और सोने का बहाना करता रहा। फिर शालिनी भी एक पेड़ के नीचे जाकर लेट गयी और अपने सैंडल से बॉबी का लंड, जो कि अभी तक पूरा खड़ा नहीं हुआ था, छूने लगी। बॉबी अब शालिनी के और पास गया। शालिनी ने तब बॉबी को और पास खींच लिया और उसका लंड अपने हाथ से पकड़ कर हिलाने लगी। सिर्फ़ दो मिनट के बाद बॉबी का लंड खड़ा हो गया और चूत में घुसने के लिए तैयार हो गया।

बॉबी जल्दी से शालिनी के ऊपर चढ़ गया। शालिनी चित्त लेटी हुई थी। मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि शालिनी कैसे चित्त लेट कर बॉबी से चुदवायेगी। शालिनी ने बॉबी को अपने और ऊपर खीन्च लिया। अब बॉबी का खड़ा लंड शालिनी की चूंची के ऊपर था। शालिनी ने बॉबी को और ऊपर खींचा। अब बॉबी का लंड ठीक शालिनी के मुँह के उपर था। शालिनी ने अपनी जीभ निकाल कर धीरे से बॉबी के मोटे खड़े लंड को चाटा। अब शालिनी ने धीरे से बॉबी का लंड अपने मुँह के अंदर लिया और उसको जोर जोर बड़े मज़े से चूसने लगी और साथ-साथ अपने एक हाथ से अपनी चूत में उँगली डाल कर अंदर बाहर कर रही थी।

थोड़ी देर बाद शालिनी ने अपने मुँह से बॉबी का लंड निकाला और बॉबी का लंड अपनी चूची पर रगड़ने लगी और दूसरे हाथ से उसके गोल-गोल गोटे सहलाने लगी। बॉबी ने बड़ी जोर से एक बार अपनी कमर हिलायी और शालिनी की चूची, मुँह और चेहरे पे झड़ने लगा। शालिनी धीरे से अपनी जीभ निकाल कर अपने मुँह और चेहरे पर गिरा बॉबी का माल चाटने लगी। मुझे यह देख कर बड़ी

Hindi Fonts By:
SINSEX

हैरानी हुई क्योंकी आज तक शालिनी ने इतने जोश और इच्छा से कभी मेरा लंड मुँह में ले कर नहीं चूसा थी, लेकिन आज वो बॉबी का लंड बड़े मजे से चूस रही थी।

अब शालिनी धीरे से नीचे सरक कर अपनी चिकनी चूत बॉबी के मुँह के पास ले गयी। बॉबी अब शालिनी की गाँड से लेकर उसकी चूत की घुंडी तक चाटने लगा। बॉबी के चूत चाटने से शालिनी झड़ गयी और बड़ी हसरत भरी निगाहों से बॉबी के लंड की तरफ़ देखने लगी। सिर्फ़ दो-तीन मिनट के बाद ही बॉबी का लंड फिर से खड़ा होने लगा और अब मुझको समझ में आने लगा कि शालिनी बॉबी को एक बार झड़ लेना चाहती थी जिससे कि बॉबी खूब देर तक शालिनी की चूत की अपने लंड से चुदाई कर सके।

अब शालिनी अपने हाथ-पैर के बल झुक कर कुतिया जैसी हो गयी। अब कुत्ता पीछे से आकर शालिनी कि चूत सूँघ कर फिर से चाटने लगा और फिर शालिनी के ऊपर चढ़ गया। अब बॉबी का लंड शालिनी के चूत के छेद के सामने था और शालिनी ने अपना हाथ पीछे ले जाकर बॉबी का लंड अपनी चूत के छेद से मिला दिया।

Hindi Fonts By:
SINSEX

अब बॉबी अपनी कमर को धीरे धीरे से चला कर अपना लंड धीरे-धीरे शालिनी की चूत के अंदर डालने लगा और धीरे धीरे शालिनी की चूत को चोदने लगा। कुत्ते का लंड शालिनी के चूत-रस से भीग कर बहुत चमक रहा था। बॉबी के मोटे लंड से शालिनी की चूत का छेद बहुत फैल गया था और मुझ को लग रहा था कि कल रात की चुदाई से शालिनी का छेद बॉबी का लंड आसानी से भीतर ले लेगा। बॉबी अब अपने मोटे लंड को करीब ५ इन्च बाहर निकाल रहा था और पूरे जोर से अंदर पेल रहा था। मुझे अब साफ़-साफ़ शालिनी की चूत से चुदाई की आवाज सुनाई पड़ रही थी। बॉबी ने करीब १५ मिनट तक शालिनी की चूत का मंथन किया और इतने समय में शालिनी करीब ५ बार झड़ी क्योंकि शालिनी हर बार झड़ने के साथ बहुत बड़बड़ा रही थी।

आखिर कार बॉबी अब ठंडा पड़ चुका था पर उसक लंड शालिनी के चूत में फँस गया था। बॉबी शालिनी की पीठ से अपने आगे के पैर हटा कर मुड़ गया और अब दोनों की गाँड से गाँड चिपकी हुई थी और दोनों हाँफ रहे थे। जब शालिनी की साँसें सामान्य हुई और वो गर्दन घुमा कर देखी तो मुझसे नजरें टकरा गयी। वो हँस कर बोली कि, "बॉबी का लंड बहुत मोटा और लम्बा है और कल रात की

चुदई से मेरी चूत लंड की ठोकर खाने के लिए तड़प रही थी। फिर यह कुत्ता तो कल चला ही जयेगा इसलिए मैंने इसके लंड से फिर एक बार अपनी चूत मरवा ली। क्या बताऊँ बहुत ही मज़ा आया। जब बॉबी धक्के मारता है तो लगता है उसका लंड मेरे मुँह से निकल कर बाहर आ जायेगा। मैं तो अब इससे गाँड भी मरवाना चाहती हूँ”।

इतनी देर में कुत्ते का लंड प्लॉप की आवाज के साथ शालिनी की चूत से निकाल आया। मुझे शालिनी के चूत का फ़ैला हुअ छेद अब साफ़ साफ़ दिख रहा था और उसमें से बॉबी का माल टपक रहा था। शालिनी की चूत क मटर दाना (क्लिट) और चूत की पपड़ी बिल्कुल फूल कर लाल पड़ चुकी थी। मैं जब शालिनी से झील में जाकर नहाने के लिए बोला तो वो मेरा लौड़ा पकड़ कर बोली कि, “चलो तुम भी नहा लो क्योंकि तुम मेरी चुदाई देख कर गरम हो गये हो और अब तो तुमहारे कज़न का भी आने का समय हो गया है”।

Hindi Fonts By:

मैं बोला, “जब तुम बॉबी से इतनी अच्छी तरह से चुदवा सकती हो तो मैं आज रात को तुमसे अपना लंड चुसवाऊँगा और तुम्हारी गाँड भी मारूँगा”।

SINSEX

शालिनी बोली, “ठीक है, पहले मैं तुम्हारा लौड़ा चूसूँगी और फिर तुम मेरी गाँड में अपना लंड पेल कर मेरी गाँड फाड़ देना। बस अब चलो नंगे होकर झील में नहाते हैं”।

मेरा चचेरा भाई शाम को हमारे घर आया और हमसे बोला कि, मैं ६ महीने के लिए विदेश जा रहा हूँ और बॉबी को किसी के हाथ बेच कर जाऊँगा। शालिनी मेरी तरफ़ तीरछी नज़रों से देखने लगी लेकिन कुछ बोली नहीं। मैं शालिनी के तरफ़ देखते हुए भाई से बोला, “अगर सिर्फ़ ६ महीने की बात है तो हम लोग बॉबी को अपने पास रख लेंगे क्योंकि हमार घर भी बड़ा है और हम लोग बिल्कुल अकेले रहते हैं”। शालिनी मेरी तरफ़ देख कर मुस्कुराई और आँखों से मुझे धन्यवाद दिया।

॥समाप्त॥